



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 204]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 17, 1976/ज्येष्ठ 27, 1898

No. 204]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 17, 1976/JYAISTHA 27, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CUSTOMS

New Delhi, the 17th June, 1976

G.S.R. 411(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1964), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. 17-Customs, dated the 7th February, 1968, namely:—

In the said notification, for clause (i), the following clause shall be substituted, namely:—

“(i) coir yarn falling under Item No. 27(i) of the Second Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), from the whole of the duty of customs leviable thereon under the second mentioned Act.”

[No. 122/F. No. 356/7/76-Cus. I]

H. N. RAO, Under Secy.

राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचना

सीमा-शुल्क

नई दिल्ली, 17 जून, 1976

सां० कां० नि० 411 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार वं वित्त मन्त्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना संख्या 17, तारीख 7 फरवरी, 1968 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में खण्ड (i) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(i) भारतीय टैरिफ अधिनियम, 1934 (1934 का 32) की द्वितीय अनुसूची की मद संख्या 27 (i) के अन्तर्गत आने वाले नारियल जटा तन्तु को, द्वितीय वर्णित अधिनियम के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमा-शुल्क से, छूट देती है।”

[सं० 122/फा० सं० 356/7/76—सीमाशुल्क-I]

एच० एन० राव, अवर सचिव ।